सोमवार

18 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 193
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हाईकोर्ट की अधिकारियों को फटकार

❑पंचायत सदस्यों के आचरण पर भी जताई हैरानी

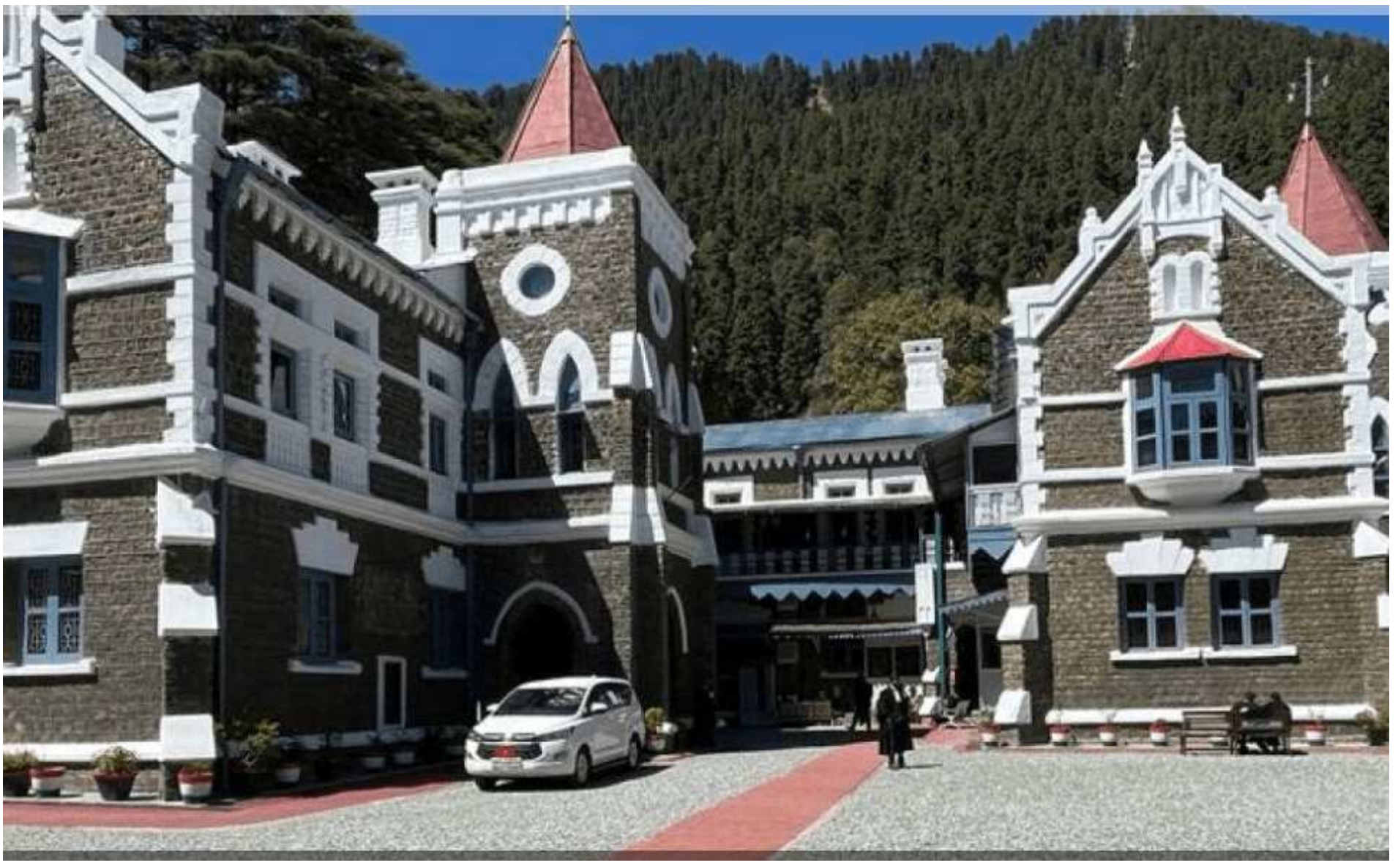

●डीएम व एसएसपी से हलफनामे मांगे, पूछा जब यह सब हो रहा था प्रशासन कहां था

विशेष संवाददाता

नैनीताल। जोड़ जुगाड़ और बाहू बल पर जिला पंचायत व ब्लॉक चुनाव जीतने की जुगत में लगी भाजपा को आज नैनीताल हाईकोर्ट ने करारा जवाब देते हुए चुनाव आयोग और नैनीताल के डीएम और एसएसपी को कड़ी फटकार लगाई है। आयोग द्वारा मतदान परिणाम का जो लिफाफा सौंपा गया था उसे बिना खोले ही मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच ने मतदान के दिन घटने वाली तमाम वारदातों पर हैरानी जताते हुए जिलाधिकारी नैनीताल और एसएसपी की चुनावी व्यवस्थाओं और सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं तथा उन्हें हलफनामा देने के आदेश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि विगत 14 अगस्त को होने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव के दौरान नैनीताल में भारी हंगामा हुआ था। मारपीट और अपहरण जैसी घटनाओं के बीच कांग्रेस ने हाईकोर्ट में उसी दिन इसकी शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें नेता विपक्ष यशपाल आर्य सहित तमाम अन्य नेताओं तथा महिला प्रत्याशी के साथ मारपीट व अपने समर्थक पांच पंचायत सदस्यों के अपहरण का मामला दर्ज कराया गया। इसके तमाम वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे।

आज इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहता की बेंच द्वारा की गई। अदालत ने मामले की सभी वीडियो फुटेज देखने के बाद चुनावी सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर हैरानी जताई और नैनीताल के जिलाधिकारी तथा एसएसपी और निर्वाचन आयोग को कड़ी फटकार लगाई। पुलिस की मौजूदगी में हुई इन तमाम वारदातों को लेकर पीठ ने जिलाधिकारी और एसएसपी को एफिडेविट देने के निर्देश दिए गए। पीठ ने चुनाव आयोग को भी लताड़ लगाते हुए कहा कि रात के 3 बजे मतगणना कराने की क्या जरूरत थी?

उल्लेखनीय है कि प्रशासन व आयोग ने 14 अगस्त की रात 3 बजे ही मतगणना कराकर उसे बंद लिफाफे में न्यायालय को भेज दिया गया था जिसे आज खोले जाने व परिणाम घोषित होने की संभावना थी लेकिन पीठ ने उसे जस का तस ही रख दिया गया है। खास बात यह है कि इस बंद लिफाफे के रिजल्ट के बारे में भी चर्चा है कि भाजपा एक मत से चुनाव जीत गई है।

कोर्ट ने अपहृत पंचायत सदस्यों के भी वीडियो देखें जिसमें वह अपनी मर्जी से घूमने आने की बात कह रहे हैं तथा मौज मस्ती में नैनीताल को भी बिहार की तरह हिलाने की बात कहकर मजे कर रहे हैं जिसे लेकर नेताओं के आचरण व उनके चुनाव पर गंभीर आपत्ति जताई गई है। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव को रद्द करने की मांग भी उठ रही है। अदालत ने परिणाम पर फैसला सुरक्षित रख लिया है मामले की कल फिर सुनवाई होगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

बुरे फंसे ज्ञानेश कुमार

यह कहावत आपने भी सुनी होगी कि जब किसी आदमी का वक्त बुरा होता है तो ऊंट पर बैठे आदमी को भी कुत्ता काट लेता है। यह बात वर्तमान दौर में सत्ता में बैठी भाजपा सरकार पर सौ फीसदी सही साबित होती दिख रही है जिसने 11 साल सत्ता में रहते हुए संविधान और लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था निर्वाचन आयोग तक को अपना मातहत बना लिया जिसके मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अपनी पत्रकार वार्ता के दौरान सरकार के लिए खुलकर बैटिंग करते हुए देखा गया। भले ही ज्ञानेश कुमार की इस बैटिंग को देखकर जिसमें वह राहुल गांधी को यह कहते हुए चुनौती दे रहे हैं कि वह अपने खुलासे पर या तो 7 दिन में शपथ पत्र दे या देश के लोगों से माफी मांगे। इस पर जब पत्रकारों ने पूछा कि अगर उन्होंने शपथ पत्र नहीं दिया तो इसके जवाब में ज्ञानेश कुमार कहते हैं की माफी तो उन्हें मांगनी ही पड़ेगी। उन्होंने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि अनुराग ठाकुर ने भी वैसा ही खुलासा किया है उनसे आपने शपथ पत्र क्यों नहीं मांगा। लेकिन ज्ञानेश कुमार को या सत्ता में बैठे उन लोगों को जो ज्ञानेश कुमार की चुनौती पर खुश हो रहे हैं उन्हें यह पता नहीं है इसका कितना बड़ा लाभ राहुल गांधी या विपक्ष को होने वाला है जिन 65 लाख वोटरों के नाम सूची से काटे गए थे वह 65 लाख वोट चुनाव आयोग व ज्ञानेश ने राहुल गांधी की झोली में डाल दिए। इन 65 लाख वोटो को राहुल से अब न जेडीयू छीन पाएगी और न बीजेपी। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा को जो बीते कल से शुरू हुई है कितनी सफलता मिलेगी यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे लेकिन इस यात्रा में आने वाली भीड़ होश उड़ा देने वाली है। सोशल मीडिया पर इस आंदोलन की तुलना जेपी आंदोलन से अगर की जा रही है तो इसके पीछे की वजह को जानना जरूरी है जेपी का आंदोलन भी संविधान व लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई था और राहुल गांधी का आंदोलन का भी यही उद्देश्य है। लोगों ने अब यह मान लिया है कि राहुल सत्ता और व्यवस्था से ही नहीं लड़ रहे हैं बल्कि देश के उस मीडिया जो सत्ता की गोद में बैठा है तथा उस आरएसएस का जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में करते हुए उसे 100 साल पुराना एक एनजीओ बताया गया था जैसी ताकतों से राहुल अकेले ही सबसे लड़ रहे हैं। उनकी यह लड़ाई इसलिए भी ज्यादा मुश्किलों से भरी है क्योंकि सांगठनिक स्तर पर कांग्रेस अत्यंत ही कमजोर हो चुकी है। लेकिन उसके बावजूद भी वह इस लड़ाई को अगर एक आंदोलन तक ले जा चुके हैं तब सत्ताधारी नेताओं और राजीव कुमार तथा ज्ञानेश कुमार जैसे लोगों को भी यह समझ लेने की जरूरत है कि राहुल गांधी ने उस समय भी माफी नहीं मांगी थी जब उनकी सांसदी और सरकारी आवास तक छीन लिया गया था तो अब राहुल गांधी उनसे क्या माफी मांगेंगे? ठीक है कि सत्ता में बैठे लोगों ने निर्वाचन आयोग के आयुक्त की नियुक्तियों व अधि कारों में फेर बदल कर इतना सशक्त कर दिया हो कि उनके खिलाफ न्यायालय में न जाया जा सके लेकिन ज्ञानेश कुमार कोई जज नहीं है जो उन्हें फांसी का हुक्म दे सके। अच्छा होता कि वह उन सवालों का जवाब देते जो देश जानना चाहता था वह भी पीएम मोदी की उस व्हाइट हाउस की एकमात्र पत्रकार वार्ता जिसमें उन्हें सिर्फ एक ही सवाल का जवाब देना था उसमें भी वह गोल-गोल बातें करते रहे कि हमारे लोकतंत्र में अल्पसंख्यकों को समान अधिकार दिए गए हैं अब ज्ञानेश कुमार भी वैसा ही ज्ञान दे रहे हैं कि मत के अधिकार की रक्षा हर हाल में चुनाव आयोग करेगा।

चिकित्सा महानिदेशक ने किया कोरोनेशन अस्पताल का औचक निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. सुनीता गुप्ता ने जिला चिकित्सालय कोरोनेशन का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज डा. सुनीता टम्टा, महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तराखण्ड देहरादून के द्वारा जिला चिकित्सालय कोरोनेशन देहरादून का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय देहरादून में डा. मनु जैन, प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय देहरादून, प्रमोद पंवार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जिला चिकित्सालय देहरादून, श्रीमती इन्दु शर्मा, सहायक नर्सिंग अधीक्षिका, जिला चिकित्सालय, श्रीमती सुशीला पंवार, सहायक नर्सिंग अधीक्षिका, जिला चिकित्सालय, श्रीमती बुद्धि नेगी, सहायक नर्सिंग अधीक्षिका, जिला चिकित्सालय, श्रीमती आरती, क्वालिटी प्रबन्धक, जिला चिकित्सालय, महानिदेशक द्वारा जिला चिकित्सालय कोरोनेशन देहरादून के निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। सर्वप्रथम महानिदेशक द्वारा जिला चिकित्सालय कोरोनेशन देहरादून के द्वितीय तल पर स्थित मैडिट्रिना हॉस्पिटल प्रा. लि. कार्डियक केयर यूनिट का निरीक्षण करते हुए केन्द्र प्रभारी, मैडिट्रिना हॉस्पिटल को रोगी के प्रतीक्षालय में उपलब्ध फर्नीचर (रिसेप्शन डैस्क, सोफा, कुर्सी इत्यादि) जीर्ण-सीर्ण अवस्था में पाये जाने पर तत्काल फर्नीचर को ठीक कराये जाने के निर्देश दिये गये। महानिदेशक महोदया द्वारा कार्डियक केयर यूनिट में ओ.पी.डी. , हृदय रोगी आपरेशन व अन्य केस कम होने पर रोष व्यक्त करते हुए केन्द्र प्रभारी को कार्डियक रोगी की संख्या में वृद्धि किये जाने निर्देश दिये गये। महानिदेशक द्वारा कार्डियक केयर यूनिट में मानव संसाधन की कमी को दूर किये जाने के निर्देश दिये गये। महानिदेशक द्वारा कार्डियक केयर यूनिट में कार्यरत कार्डियक थोरेसिक सर्जन के दो दिवस पूर्व त्याग पत्र प्रस्तुत किये जाने पर केन्द्र प्रभारी, मैडिट्रिना हॉस्पिटल को तत्काल उक्त चिकित्सकों को तैनात किये जाने के निर्देश दिये गये इसके अतिरिक्त नियमित एनेस्थेटिस्ट की तैनाती के भी निर्देश दिये गये। दूर-दराज के क्षेत्रो में शिविर लगाकर व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने के निर्देश दिये गये। महानिदेशक द्वारा जिला चिकित्सालय देहरादून में निर्माणाधीन रक्त कोष केन्द्र के भवन का निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था को तत्काल निर्माण कार्य को पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये। महानिदेशक द्वारा जिला चिकित्सालय देहरादून के वाह्य रोगी प्रतिक्षालय में रोगियो व उनके तीमारदारो हेतु श्री-सीटर बढाये जाने के निर्देश दिये गये व चिकित्सालय में भर्ती रोगी व उनके तीमारदारो से भी वार्ता की गयी जिस पर मरीज की तीमारदारो द्वारा चिकित्सालय की समस्त व्यवस्थाओं पर सन्तोष प्रकट किया गया। ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

समिति ने नेताजी सुभाष चंद बोस को किया याद

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने नेताजी सुभाष चंद बोस को याद किया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय में आजादी के अग्रदूत आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेता जी सुभाज़ चंद्र बोस को याद किया गया। स्मरण रहे कि नेताजी सुभाज़ चंद्र बोस को 18 अगस्त 1945 को अंतिम बार जीवित देखा गया था। समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा है कि आज हम स्वतंत्र भारत में जो खुली हवा में सांस ले रहे हैं वह नेताजी सुभाज़ चंद्र बोस के प्रयासों का परिणाम है। देशवासी सदैव ही सुभाज़ चंद्र बोस के ऋणी रहेंगे। उन्होंने कहा कि नेताजी के बारे में केंद्र सरकार बताएं कि वह कब कहां गए और उनका अंतिम समय कहां गुजरा। आज तक कई आयोग केंद्र सरकार के बने उनकी रिपोर्टें आज तक पूरी और सही नहीं आई ये केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है क्योंकि देश के सामने सत्य को रखें और नेताजी के मानने वाले उसे बात को स्वीकार करें और देश को पता चले की अंतिम समय में नेताजी कहां थे और क्या हुआ और कब उनकी मष्टत्यु हुई जो अभी तक रहस्य है। नेताजी को याद करने वालों में प्रभात डंडरियल,आरिफ वारसी ,दानिश नूर, इम्तियाज अहमद, इलियास कुरैष्ठी, प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल पारस यादव ,सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

तमंचे के साथ बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक मं घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक देशी तमंचा भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लक्सर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास एक देशी तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम निखिल उर्फ भयानक पुत्र मुकेश उम्र 19 वर्ष निवासी मुंडाखेडा खुर्द कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

क्लीन एंड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी ने किया इस मानसून सत्र का आठवां वृक्षारोपण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी का इस मानसून सत्र का आठवां वृक्षारोपण अभियान श्री कृष्णायन देशी गोशाला, गैंडीखाता, हरिद्वार तथा सी एन जी प्लांट, नौरंगाबाद में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाए गए, जिनमें आम, लीची, बांस, अनार, नींबू, आंवला, रात कि रानी, चंपा, चमेली, गुलमोहर, जामुन, बेलपत्र इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

श्रीकृष्णायन गौशाला के महाराज जी श्री आत्मानंद जी ने समिति के अध्यक्ष राम कपूर से निवेदन किया कि इस वर्ष 2025 में गौ माता की सेवा के लिए कुछ वृक्ष लगाए जाएं। समिति द्वारा महाराज जी के निवेदन को स्वीकार करते हुए आज दिनांक 17 अगस्त को श्री कृष्णायन गौशाला गैंडीखाता, हरिद्वार तथा सी एन जी प्लांट, नौरंगाबाद में 250 वृक्षों का रोपण किया गया। गौशाला के

महाराज जी श्री आत्मानंद बाबा जी एवं उनके अन्य साथियों ने समिति के कार्यों की सराहना की और उन्हें भविष्य में और अधिक पर्यावरण की रक्षा और वृक्षारोपण किए जाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में बरेली कैंट की मुख्य अधि कारी अधिकारी तनु जैन ने भी समिति के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया।

इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, उपाध्यक्ष रणदीप सिंह अहलूवालिया, सचिव जेपी किमोठी, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, राजेश बाली, सोनिया, मंजुला, दिवाकर नैथानी, दीपक सिंह, पीयूष निगम, गगन चावला, हर्षवर्धन, रजनीश, मनोज श्रीवास्तव, हितेंद्र सक्सेना, रवीन्द्र असवाल, शिवम शुक्ला, जसकीरत वालिया, अमूल्या, अदिति तथा गोशाला के महामंडलेश्वर श्री ईश्वर दास महाराज, श्री आत्मानंद बाबा, स्वामी उपेंद्रानंद, स्वामी अमृतानंद, स्वामी अनंतानंद, मुकेश जी और गीत उपस्थित रहे।

डाइट में शामिल करें शहतूत, मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े ये बड़े लाभ

शहतूत एक ऐसा फल है, जो दिखने में तो साधारण लगता है, लेकिन इसमें पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होती है। यह फल न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। शहतूत में विटामिन-सी, लोहे, पोटेशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं कि शहतूत का सेवन करने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक : अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हैं तो शहतूत का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें कैलोरी कम होती है और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाती है। इससे आप अनहेल्दी स्नैकिंग से बच सकते हैं और अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा शहतूत में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

आंखों के लिए है फायदेमंद : शहतूत आंखों की सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद खास यौगिक आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके अलावा यह उम्र बढ़ने के साथ होने वाली आंखों की समस्याओं जैसे मोतियाबिंद और ग्लूकोमा से बचाव करता है। शहतूत में विटामिन-ए और अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो आंखों की रोशनी को सुधारने और आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने में है प्रभावी : शहतूत हृदय रोगों के जोखिम कम करने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा शहतूत में मौजूद तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। नियमित रूप से शहतूत का सेवन करने से हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा कम होता है और रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है।

पाचन क्रिया को सुधारने में है मददगार : शहतूत पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारने और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके अलावा शहतूत में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। शहतूत का नियमित सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर तरीके से काम करती है और आंत की सूजन जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में है सक्षम : शहतूत रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होता है, जिससे आप विभिन्न प्रकार के संक्रमण और बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं। विटामिन-सी के अलावा इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं। इसलिए नियमित रूप से शहतूत का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। (आरएनएस)

कहीं आपकी लिपस्टिक खराब तो नहीं हो गई?

लिपस्टिक महिलाओं के मेकअप का एक अहम उत्पाद है। हालांकि, क्या आप जानती हैं कि लिपस्टिक भी एक्सपायर हो सकती है? जी हां, लिपस्टिक की भी एक अवधि होती है और इसके बाद इसे इस्तेमाल करना त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए आज हम आपको लिपस्टिक के खराब यानि एक्सपायर होने के संकेत बताते हैं, ताकि आप उसे समय रहते पहचान सकें और अपने होठों को सुरक्षित रख सकें।

लिपस्टिक का रंग बदलना : अगर आपकी लिपस्टिक का रंग अचानक बदल जाता है या उसमें कोई असामान्य बदलाव नजर आता है तो समझ जाइए कि वह खराब हो चुकी है। अक्सर खराब लिपस्टिक का रंग फीका पड़ जाता है या उसमें धब्बे पड़ जाते हैं। इसके अलावा, लिपस्टिक की गुणवत्ता भी बदल सकती है और वह गाढ़ी या पतली हो सकती है। ऐसे संकेत मिलने पर लिपस्टिक का इस्तेमाल न करें और उसे फौरन फेंक दें।

लिपस्टिक से दुर्गंध आना : खराब लिपस्टिक से एक अजीब-सी गंध आ सकती है, जो कि सामान्य नहीं होती। अगर आपकी लिपस्टिक से अजीब या तेज गंध आने लगे तो उसे तुरंत उपयोग करना बंद कर दें। यह गंध बैक्टीरिया के पनपने का संकेत हो सकती है, जो आपकी त्वचा के लिए खतरनाक हो सकती है। इसलिए, ऐसी लिपस्टिक का इस्तेमाल न करें और उसे फेंक दें, ताकि आपके होंठ सुरक्षित रहें और कोई और भी उसे इस्तेमाल न करें।

लिपस्टिक का टूटना : अगर आपकी लिपस्टिक टूटने लगी है या उसमें दरारें पड़ गई हैं तो उसे उपयोग करना बंद कर दें। टूटे हुए हिस्से से लगाई गई लिपस्टिक आपके होठों पर जलन या रैशेज पैदा कर सकती है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप ऐसी लिपस्टिक का इस्तेमाल न करें। इसके अलावा, टूटे हुए हिस्से को दोबारा लगाने की कोशिश न करें, क्योंकि इससे समस्या और बढ़ सकती है। हमेशा सही स्थिति में रखी हुई लिपस्टिक का ही इस्तेमाल करें।

रूप में बदलाव आना : अगर आपकी लिपस्टिक की बनावट गाढ़ी या पतली हो जाती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि वह खराब हो चुकी है। खराब लिपस्टिक आमतौर पर इस्तेमाल करने पर ठीक से लगती नहीं और कभी-कभी लगते ही हटने लगती है। इसके अलावा, खराब लिपस्टिक का रूप खुरदुरा या चिकना भी हो सकता है, जो कि सामान्य नहीं होता। ऐसे संकेत मिलने पर लिपस्टिक का इस्तेमाल करना बंद कर दें।

होंठों पर जलन होना : अगर आप किसी दिन अचानक महसूस करती हैं कि आपके होंठों पर जलन हो रही है या खुजली हो रही है तो तुरंत अपनी लिपस्टिक को साफ कर लें और आगे इसका इस्तेमाल न करें। यह जलन बैक्टीरिया फैलने का संकेत हो सकती है, जो आपके होंठों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं।(आरएनएस)

डेंगू दूर करने में फायदेमंद है कीवी!

पोषक तत्वों से भरपूर कीवी का फल हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद और लाभकारी माना जाता है। कीवी का इस्तेमाल कार्डियोवसक्युलर यानी दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और आंखों में धुंधलेपन की समस्या से बचने के लिए किया जा सकता है। कीवी में बैक्टीरियल-रोधी और ऐंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो इसे सेहत के लिए फायदेमंद बनाते हैं।

डेंगू के इलाज में प्लेटलेट्स काउंट बढ़ाने में कीवी लाभदायक है और पपीते के पत्तों के कड़वे रस के मुकाबले यह एक स्वादिष्ट विकल्प भी है। लेकिन यह अभी तक पूरी तरह से चिकित्सकीय तौर पर साबित नहीं हुआ है की कीवी का फल पूर्ण रूप से डेंगू को ठीक कर सकता है इसलिए पपीते के पत्ते का रस ही डेंगू में एक बेहतर विकल्प है। आप चाहें तो उसके साथ-साथ कीवी का सेवन भी कर सकते हैं।

हाइपरलिपीडेमिया यानी उच्च कलेस्ट्रॉल आज के समय में एक आम समस्या हो गई है और यह दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही है। बदला हुआ लिपिड प्रोफाइल हृदय रोगों के खतरे को बढ़ाता है। 2009 में प्रकाशित एक अध्ययन में कीवी फल के लिपिड प्रोफाइल और लिपिड पेरोक्सिडेशन के अंकों पर प्रभावों की जांच की गई थी। अध्ययन में पाया गया कि बदलते लिपिड प्रोफाइल वाले लोगों ने हर सप्ताह दो कीवी फलों का सेवन 8 सप्ताह तक किया। इसमें पाया गया कि उनके एलडीएल यानी बैड कलेस्ट्रॉल के साथ कुल कलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो गया और एचडीएल यानी गुड कलेस्ट्रॉल का स्तर काफी बढ़ गया।

प्राकृतिक रूप से त्वचा को सुंदर बनाने के लिए कीवी का उपयोग करें। 100 ग्राम कीवी में 92.7 मिलीग्राम विटमिन सी पाया जाता है, जो आपकी त्वचा को खूबसूरत बनाता है। कीवी न केवल एक स्वादिष्ट और पोषक तत्व युक्त फल है बल्कि आपकी त्वचा की देखभाल के लिए एक अच्छा प्राकृतिक संघटक भी है। कीवी में फाइबर और ऐंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं जो ऐंटी-एजिंग की तरह काम करते हैं।

पेट में समस्या के कारण ही ज्यादातर रोगों की शुरुआत होती है इसलिए पेट को स्वच्छ और स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। कीवी में फाइबर के साथ-साथ पेट साफ करने का गुण भी होता है। एक रिसर्च में पाया गया है कि कीवी के रोजाना सेवन से कब्ज से पीड़ित लोगों में बिना किसी नुकसान के मल त्यागने की प्रक्रिया बढ़ जाती है।

डायटिशन डॉ पूनम तिवारी कहती हैं, कीवी खाने से ऐलर्जी की समस्या हो सकती है। कीवी का ज्यादा मात्रा में सेवन दस्त का कारण बन सकता है। ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करें। एक स्वस्थ व्यक्ति रोज दो कीवी तक खा सकता है। किसी भी चीज की अति बुरी होती है लिहाजा कीवी खाएं लेकिन संतुलित मात्रा में।

रेड ऐपल से बेहतर होता है ग्रीन ऐपल

अगर रोजाना एक सेब खाया जाए तो तमाम बीमारियों से बचा जा सकता है। पुरानी कहावत भी है कि ऐन ऐपल अ डे कीप्स द डॉक्टर अवे। लेकिन पूरी तरह से हेल्दी और फिट रहना है तो इसमें थोड़ा सा अपडेट कर लीजिए। लाल की जगह हरा सेब खाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह तमाम तरह के फायदों के साथ ही दिल संबंधित सारी बीमारियों को भी दूर भगाता है। हरा सेब यानी ग्रीन ऐपल में कई तरह के प्रोटीन, विटमिन, खनिज और फाइबर पाए जाते हैं। इसके अलावा ये पाचन संबंधी सभी विकारों से राहत प्रदान करने के लिए भी जाना जाता है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक ग्रीन ऐपल दिल संबंधी सभी बीमारियों को दूर भगाने में ज्यादा मददगार होते हैं। इनमें रुटिन नाम का एक यौगिक होता है जो कि खून को जमने या फिर थक्के बनने से रोकता है। इसके अलावा यह स्ट्रोक के खतरे को भी काफी हद तक कम कर देता है। इसलिए हाल ही में हुए शोध में रोजाना एक गिलास ग्रीन ऐपल का जूस पीने की बात कही गई है। महिलाओं के लिए भी ग्रीन ऐपल काफी फायेदमंद होता है क्योंकि ये विटमिन के, कैल्शियम और पोटैशियम के गुणों से युक्त होता है जो कि हड्डियों संबंधी होने वाली परेशानी से बचाता है। हरे सेब में विटमिन ए पाया जाता है जो आंखों की रोशनी को भी बढ़ाता है।

बता दें कि हरा सेब पाचन प्रणाली को चुस्त-दुरुस्त रखता है। इसमें पाया जाना वाला फाइबर काफी आसानी से डाइजेस्ट हो जाता है। इससे मेटाबॉलिज़्म रेट में भी सुधार होता है। साथ ही वेट लॉस में भी यह काफी सहायक है। इसके अलावा हरे सेब में मौजूद फ्लावोनोइड अस्थमा से भी राहत दिलाता है। यही वजह है कि हरे सेब के नियमित सेवन से फेफड़ों के कैंसर की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है।

इस वजह से रुबीना दिलैक ने स्वीकारा पति पत्नी और पंगा का ऑफर

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला पॉपुलर शो पति-पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने मां बनने के बाद शो का ऑफर क्यों स्वीकार किया। अभिनेत्री ने बताया, इस शो की कहानी उनकी जिंदगी के नए दौर से मेल खाती है। साथ ही इस शो के जरिए उन्हें अपने पति अभिनव के साथ स्क्रीन पर नया अनुभव करने का मौका मिला। मां बनने के बाद मैं अपने पति के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती थी। कुछ मस्ती भी करनी थी, इसलिए मैंने यह शो किया।

जब अभिनेत्री से पूछा गया, क्या रियलिटी शो स्क्रिप्टेड होते हैं?

छोटी बहू फेम अभिनेत्री ने बताया, रियलिटी शो स्क्रिप्टेड नहीं होते, लेकिन उन्हें थोड़ा निर्देशित किया जाता है। अगर कोई चीज अच्छी चल रही हो, तो शो के निर्माता उसे और हाइलाइट करते हैं। यह स्क्रिप्टेड नहीं, बल्कि गाइडेड होता है। वहीं, अभिनेता अभिनव शुक्ला ने रियलिटी शो में स्क्रीन टाइम और रिश्तों की लंबी उम्र के बारे में भी बात की। उनके मुताबिक, रिश्ते में जितना ज्यादा स्क्रीन टाइम होता है, रिश्ता उतना ही कम समय तक चल सकता है। रुबीना ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा, अभिनव सही कह रहे हैं। जितना ज्यादा हम एक-दूसरे की बातों और सोच को स्वीकार करेंगे, रिश्ता उतना ही बेहतर होगा। एक अच्छा रिश्ता तब बनता है, जब हम एक-दूसरे को वैसे ही अपनाएं, जैसे हम हैं। जब हम ये समझते हैं कि हम अलग हैं और फिर भी एक-दूसरे की इज्जत करते हैं, तो रिश्ते में प्यार और समझ बढ़ती है।

अभिनव शुक्ला ने बताया कि जब किसी बात पर बहस या मतभेद होता है, तो वह उसे संभालने का एक शांत तरीका अपनाते हैं। अभिनव ने कहा, जब हम दोनों के बीच झगड़ा होने लगता है, तो मैं थोड़ा पीछे हट जाता हूं, या फिर रुबीना को स्पेस देता हूं, थोड़ी देर बाद शांत होकर दोबारा उस बात पर चर्चा करता हूं, ताकि समस्या आसानी से सुलझ जाए। कुछ परेशानियां, कुछ घंटों में सुलझ जाती हैं, तो कुछ में ज्यादा समय लग जाते हैं। अभिनव ने मजाकिया अंदाज में कहा, हमारे रिश्ते में तो मैं बस यही कहता हूं, जो तुम कहो। और, अब ये लाइन काफी फेमस हो गई है। शो की शुरुआत 2 अगस्त से हो चुकी है और इसे कलर्स टीवी पर प्रसारित किया जा रहा है। शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं।

अक्षय कुमार की जॉली एलएलबी 3 का आधिकारिक ऐलान

अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला की अभिनीत कॉमेडी ड्रामा जॉली एलएलबी 3 लोगों को गुदगुदाने के लिए तैयार है। यह फिल्म सितंबर 2025 को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फैंस की उत्साह बढ़ाने के लिए मेकर्स ने जॉली एलएलबी 3 के आधिकारिक तौर पर टीजर के रिलीज डेट का एलान किया है। उन्होंने इसे बेहद मजेदार अंदाज में किया है।

जॉली एलएलबी 3 बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। तीसरी किस्त में अरशद वारसी जॉली 1 और अक्षय कुमार जॉली 2 की भूमिका में नजर आएंगे। वीडियो में जज त्रिपाठी, सौरभ शुक्ला द्वारा अभिनीत, जगदीश त्यागी और जगदीश मिश्रा को फिर से पेश करते दिखें। वह उन दोनों का परिचय देते हुए बताते हैं कि उन्हें उनसे कैसे निपटना पड़ा। मेकर्स ने सौरभ शुक्ला का वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोट किया है और कैप्शन में लिखा है, इस बार दो दो जॉली एक साथ। कोर्ट में होगी अव्यवस्था। जॉली एलएलबी 3 मुझे जज मत करो। यह फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सौरभ शुक्ला के एक मजेदार वीडियो के साथ किया गया है, जो फिल्म में जस्टिस सुंदरलाल त्रिपाठी का किरदार निभा रहे हैं। वह सभी को याद दिलाते हैं कि दो जॉली के आने और उन्हें परेशान करने से पहले उनकी जिंदगी कैसी थी और उनके आने के बाद कैसी हो गई है।

वीडियो में, जज त्रिपाठी दोनों जॉली के साथ अपने पिछले अनुभवों के बारे में बात करते हुए अपना धैर्य खोते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह शुरुआत में याद करते हैं कि जगदीश त्यागी (जॉली 1) के आने से पहले उनकी जिंदगी कितनी शांतिपूर्ण थी। वह कहते हैं कि त्यागी के गुस्सैल स्वभाव और कमजोर अंग्रेजी के कारण उनकी नींद उड़ गई थी और लगभग उनकी जान चली गई थी।

फिर आते हैं जॉली 2 – जगदीश मिश्रा, जिन्हें त्रिपाठी जरूरत से ज्यादा आज्ञाकारी कहते हैं। वह मजाक में कहते हैं कि मिश्रा भले ही मीठे हों, लेकिन इतने मीठे कि आपको डायबिटीज हो जाए, और दावा करते हैं कि मिश्रा की हरकतों से उनकी पत्नी को हार्ट अटैक आया था। अब जब दोनों जॉली जॉली एलएलबी 3 में वापसी कर रहे हैं, तो जज त्रिपाठी चेतावनी देते हैं कि इस बार वह उनके कोर्टरूम ड्रामा को बर्दाश्त नहीं करेंगे। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

ठंडा, गर्म या गुनगुना पानी, दवा लेने के लिए कौन सा पानी ज्यादा बेहतर?

आजकल बहुत से लोग किसी न किसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए दवा का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, जब भी हम दवा लेते हैं, तो हममें से कई लोगों के मन में यह शंका होती है कि दवा ठंडे पानी के साथ लेनी चाहिए या गुनगुने पानी के साथ, यह सवाल लगभग सभी के मन में आता है। कुछ लोग बिना सोचे-समझे ठंडे पानी के साथ दवा ले लेते हैं, तो कुछ लोग गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं। बहरहाल, आज इस खबर में विशेषज्ञों से जानें कि दवा कैसे लेनी चाहिए और यह स्वास्थ्य के लिए कैसे फायदेमंद है।

दवा की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है

हम आमतौर पर दवाइयां टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या सस्पेंशन के रूप में लेते हैं। चाहे किसी भी रूप में ली जाए, शरीर में हर प्रकार की दवा का अवशोषण अलग-अलग होता है। इसलिए, विशेषज्ञ दवा की प्रकृति के अनुसार दवा लेने की सलाह देते हैं। दवा की प्रकृति ही यह निर्धारित करती है कि उसे किस तापमान पर लेना चाहिए।

एक गलती जो बहुत से लोग करते हैं

कई लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेकर बहुत बड़ी गलती कर देते हैं। आपको बता दें, जब हम दवाइयां लेते हैं तो वो पेट की बायोलॉजिकल मेम्ब्रेन में अवशोषित हो जाती हैं। ऐसे में दवाइयों में मौजूद तत्वों के अच्छे से अवशोषित होने के लिए पेट के इंटरनल एनवायरमेंट, जिसमें पेट और आंतों का तापमान भी शामिल है, का सही होना बहुत जरूरी है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो इससे शरीर का आंतरिक तापमान कम हो जाता है। इससे दवाइयों की घुलनशीलता कम हो जाती है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो शरीर ली गई दवा के प्रोसेस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता है और अपनी सारी एनर्जी पानी के तापमान को सामान्य करने में खर्च कर देता है। ऐसे में बता दें कि ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेने से दवाइयों का असर कम हो जाता है।

क्या ठंडे पानी के साथ दवा लेना हानिकारक है?

ठंडे पानी के साथ दवा लेने के नुकसान जानने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। इसके नुकसान को साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन ठंडे पानी के साथ दवा लेने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि आमतौर पर इंजेक्शन की तुलना में दवा की सामग्री को आवश्यक स्थान तक पहुंचने में अधिक समय लगता है। दवाइयों के अवशोषित होने से पहले, ठंडे पानी को शरीर के तापमान पर लाना आवश्यक है। यह प्रोसेस दवाइयों के अवशोषण में और देरी करती है।

सर्दी या गले में खराश

गले में खराश, खांसी या सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर गुनगुने पानी से गरारे करने और दवा लेने की सलाह देते हैं, क्योंकि गुनगुने पानी गले को आराम देता है और दवा लेना आसान बनाता है, जबकि ठंडा पानी गले में जलन और बेचैनी पैदा कर सकता है। कुछ दवाएं गुनगुने पानी के साथ लेने पर तेजी से असर करती हैं।

दवा लेने का सही तरीका क्या है?

दवा लेने के लिए सादा या कमरे के तापमान वाला पानी (गुनगुना पानी) पीना आमतौर पर सबसे अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह दवा के अवशोषण में मदद करता है और शरीर के लिए सौम्य होता है, जबकि अत्यधिक ठंडा पानी कुछ दवाओं के असर को धीमा कर सकता है। हम अक्सर डॉक्टरों को गुनगुना पानी या सादे पानी के साथ दवा लेने की सलाह देते सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुनगुने पानी के साथ दवा लेने से यह पेट में आसानी से घुल जाती है और आपके पेट और आंतों में पर्याप्त गर्मी बनी रहती है। इससे दवा का अवशोषण भी बेहतर होता है। साथ ही, दवा जल्दी असर दिखाने लगती है।ध्यान रहें, गुनगुने पानी के साथ दवा लेना सभी दवाओं के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है, विशेष रूप से उन दवाओं के लिए जिन्हें धीमी गति से अवशोषित करने की आवश्यकता होती है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -51

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

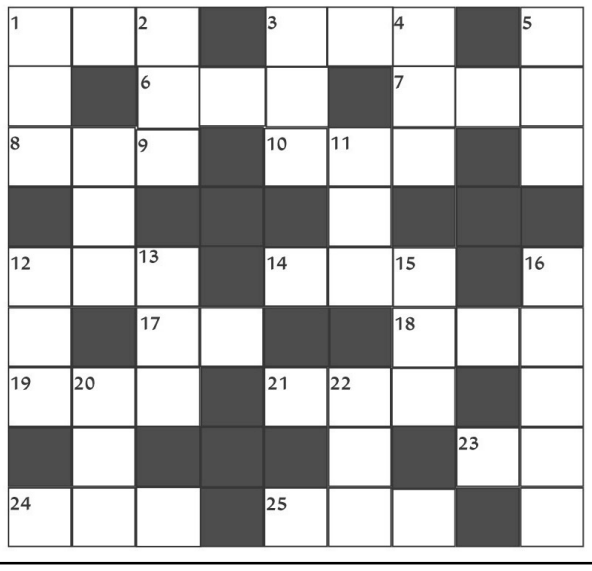

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 50 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

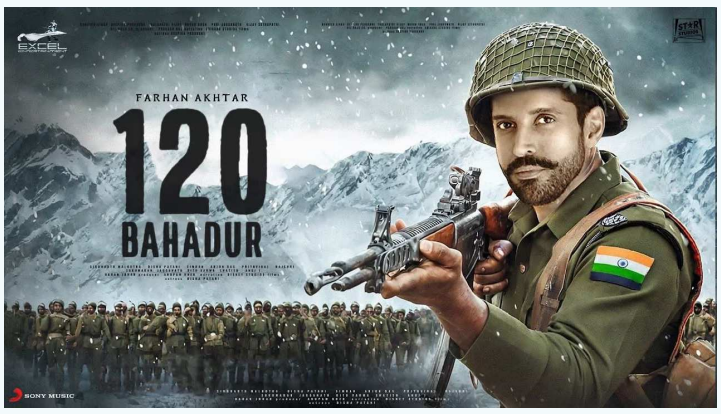

मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका में खूब जचे फरहान अख्तर

इंडो-चाइना वॉर पर आधारित रजनीश घई की निर्देशित 120 बहादुर सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। मेकर्स ने 120 बहादुर का टीजर जारी किया है, जो काफी दमदार है। फिल्म में बॉलीवुड एक्टर-फिल्म मेकर फरहान अख्तर अहम भूमिका निभा रहे है। यह फिल्म नवंबर 2025 में रिलीज होगी।

2021 में आई फिल्म तूफान के बाद फरहान अख्तर फिल्म 120 बहादुर के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। दमदार पोस्टरों के बाद मेकर्स ने फिल्म 120 बहादुर का टीजर जारी किया, जिसमें फरहान भारतीय सेना के वर्दी पहने नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं। रेजांग ला युद्ध पर आधारित, 120 बहादुर के टीजर ने साहस और बलिदान पर आधारित सिनेमाई युद्ध की एक झलक पेश की है।

फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर 120 बहादुर का टीजर साझा किया है। उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ये वर्दी सिर्फ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है। बर्फ में गढ़ी और बलिदान से सजी एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म। 120 बहादुर का टीजर अभी रिलीज हुआ है। 21 नवंबर, 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीजर की शुरुआत एक सवाल से होता है, जिसमें पूछा जाता है, रेजांग ला में 18 नवंबर को आखिर क्या हुआ था। इसके बाद 1962 में हुई भारत-चीन के युद्ध की झलक दिखाई जाती है। टीजर में दिखाया गया कि कैसे -24 डिग्री के तापमान में भारतीय सेना चीन के होने वाले हमले की तैयारी में जुटे हुए थे। इस दौरान मेजर शैतान सिंह भाटी के साहस का परिचय दिखाया जाता है कि कैसे -24 डिग्री तापमान में वह दुश्मनों पर नजर जमाए हुए थे।

टीजर में यह भी दिखाया गया कि कैसे उन्होंने 120 जवानों का नेतृत्व करते हुए लद्दाख की रक्षा की। मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) के रूप में फरहान टीजर में कहते हैं, हम पीछे नहीं हटेंगे। बता दें, भारतीय सेना की 13 कुमाऊं बटालियन के मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में रेजांग ला की लड़ाई भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच लड़ी गई थी। 120 बहादुर को रजनीश घई ने निर्देशित किया है। जबकि इसे रितेश सिधवानी-फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो) द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में फरहान अख्तर के साथ राशि खन्ना अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म लद्दाख, राजस्थान और मुंबई में फिल्माई गई है। फिलहाल यह फिल्म 120 बहादुर 21 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चेन्नई लव स्टोरी का पहली झलक आई सामने

किरण अब्बावरम और श्री गौरी प्रिया एक रोमांचक नई फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं जिसका नाम है चेन्नई लव स्टोरी, जिसे कलर फोटो और बेबी जैसी कल्ट क्लासिक्स के निर्माताओं ने बनाया है। आज फिल्म का शीर्षक और झलक का अनावरण किया गया, जिसमें एक दिलचस्प विषय और नए दृश्य दिखाए गए हैं। गतिशील निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म के शीर्षक और अवधारणा की प्रशंसा करते हुए सोशल मीडिया पर झलक लॉन्च की।

झलक प्यार के बारे में एक विचारोत्तेजक बातचीत के साथ शुरू होती है, जिसमें पहले प्यार बनाम सबसे अच्छे प्यार के विचारों की खोज की जाती है। किरण अब्बावरम एक नए रूप में दिखाई देती हैं, जबकि श्री गौरी प्रिया अपनी मजबूत स्क्रीन उपस्थिति से प्रभावित करती हैं। निर्माता सूक्ष्म रूप से यह विचार व्यक्त करते हैं कि पहला प्यार एक महत्वपूर्ण अध्याय है, लेकिन यह जीवन की यात्रा में अंतिम नहीं है। फिल्म साई राजेश द्वारा लिखी गई है और रवि नंबूरी द्वारा निर्देशित है, जिसमें मणि शर्मा द्वारा संगीतबद्ध किया गया है।

किरण अब्बावरम की अंतिम पंक्ति थोली प्रेमा थोपे काडे के साथ यह झलक मूड सेट करती है, और संगीत निर्देशक का सुंदर बैकग्राउंड स्कोर भावनात्मक स्वर का समर्थन करता है। अपने नए दृश्यों और विचारोत्तेजक विषय के साथ, चेन्नई लव स्टोरी एक रोमांटिक फिल्म होने की उम्मीद है जो प्रेम की जटिलताओं की खोज करती है।

यह फिल्म अमृता प्रोडक्शंस और मास मूवी मेकर्स के बैनर तले बनाई गई है, जिसमें एक प्रतिभाशाली तकनीकी दल है, जिसमें डीओपी के रूप में विश्वास डैनियल, कला निर्देशक के रूप में भास्कर मुदवत और संपादक के रूप में संतोष नायडू शामिल हैं। अपनी आकर्षक कहानी और नए कलाकारों के साथ, चेन्नई लव स्टोरी देखने लायक है।

फिल्म द गर्लफ्रेंड का पहला सिंगल सॉन्ग हुई रे रिलीज

रश्मिका मंदाना आगामी फिल्म द गर्लफ्रेंड के मेकर्स ने फिल्म का पहला सिंगल सॉन्ग हुई रे रिलीज कर दिया है। इसे पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज किया गया है। इससे पहले, रश्मिका और फिल्म की टीम ने अपने सोशल मीडिया पर एक खास प्रोमो साझा करके रिलीज की तारीख का खुलासा किया था।

गीता आर्ट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर द गर्लफ्रेंड का पहला सिंगल सॉन्ग का लिंक शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, एक धुन जो आपको उत्साहित कर दे। एक गाना जो आपके दिल को उड़ान दे। द गर्लफ्रेंड का पहला सिंगल म्यूजिक वीडियो अब रिलीज हो गया है।

मेकर्स ने इस गाने को 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, मलयालम, कन्नड़ और तमिल रिलीज किया है। पोस्ट साझा किए जाने के तुरंत बाद, कई फैंस ने गाने के प्रति अपना प्यार बरसाया है। फैंस ने कमेंट सेक्शन को कई दिल के इमोटिकॉन्स से भर दिया है। हुई रे गाने की बात करें तो इसमें कमाल की सिनेमैटोग्राफी की गई है। इसमें मधुर धुन के साथ रश्मिका मंदाना और उनके सह-कलाकार दीक्षित शेट्टी के बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है। यह गाना एक दिल को छू लेने वाला रोमांटिक गाना है जो द गर्लफ्रेंड के इमोशन को पूरी तरह से दर्शाता है।

रश्मिका ने भी अपने गाने को इंस्टाग्राम पर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, पहली बार सुनते ही, इसमें कुछ ऐसा था जो मेरे जेहन में बस गया। यह सॉफ्ट है, इमोशनल है, यह उस तरह का राग है जिसे आप अनजाने में गुनगुनाते हैं और अब यह आपका है। मुझे याद है जब हम इसकी शूटिंग कर रहे थे, तो मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिल्म के अंदर एक छोटी सी फिल्म हूं। हर फ्रेम समय में जमे हुए एक पल जैसा लग रहा था। मुझे बताइए कि क्या यह आपके दिल को थोड़ा भरा हुआ महसूस कराता है। दिसंबर 2024 में रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने दर्शकों को रश्मिका के किरदार की दुनिया से परिचित कराया, जिसमें कॉलेज के दौरान उनके प्रेम जीवन पर ध्यान केंद्रित किया गया था। हालांकि पूरी कहानी अभी गुप्त रखी गई है। द गर्लफ्रेंड को गीता आर्ट्स और धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना, दीक्षित शेट्टी, राव रमेश, रोहिणी और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म को राहुल रवींद्रन ने डायरेक्ट किया है। इस प्रोजेक्ट के अलावा, रश्मिका ने अपनी अगली फिल्म, मायसा, का भी खुलासा किया है। मायसा का पहला पोस्टर हाल ही में जारी किया गया था, जिसमें उनका एक उग्र अवतार में देखने को मिला है। इस आकर्षक पोस्टर में, रश्मिका आंशिक रूप से घूंघट में दिखाई दे रही हैं, उनके चेहरे पर खून के धब्बे हैं जो उनके किरदार की असली ताकत को उजागर करते हैं।

पोस्टपोन हुई दिविता जुनेजा स्टारर हीर एक्सप्रेस की रिलीज डेट

दिविता जुनेजा, प्रीत कमानी और आशुतोष राणा अभिनीत फिल्म हीर एक्सप्रेस इस महीने रिलीज होनी थी। यह अगस्त में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। मगर, अचानक इसकी रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है। इस फिल्म के लिए दर्शकों को इंतजार करना होगा।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। फिल्म के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट में बदलाव की जानकारी शेयर की गई है। पोस्ट के साथ लिखा है, कुछ यात्राएं प्रतीक्षा के लायक होती हैं। हीर एक्सप्रेस 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। चटपटे इमोशंस से भरे स्वाद वाली फिल्म का परिवार के साथ लुत्फ उठाने के लिए तैयार रहिए।

फिल्म में निहारिका रायजादा, रोहित चौधरी, संजय मिश्रा और पंकज झा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म हीर एक्सप्रेस अगर 08 अगस्त को रिलीज होती तो बॉक्स ऑफिस पर आयुष कुमारी की फिल्म अंदाज 2 से इसका क्लैश होने वाला था। हालांकि, अब यह फिल्म सितंबर में रिलीज होगी। यह एक पारिवारिक फिल्म बताई जा रही है।

फिल्म की कहानी महत्वाकांक्षी युवा शेफ हीर वालिया (दिविता जुनेजा) पर आधारित है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए विदेश जाती है। फिल्म में फैमिली ड्रामा, इमोशंस और लाइफ जर्नी को दिखाया गया है। अपना सपना पूरा करने के लिए हीर के विदेश जाने और अपने कुकिंग स्किल्स के जरिए भारतीय व्यंजनों को विदेशों में पहुंचाने की कोशिश को दिखाया गया है। इस रास्ते में कई बाधाएं आती हैं। फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैंऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण हैये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है।निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है।उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत,रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ हैये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती हैइनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है।कौशल भारत' और डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता हैयह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है।को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है।अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है।वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22त्न हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19त्न अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59त्न ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है।आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है।हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार।इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं।ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं।संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है।इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है।भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेज़ी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है।इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय मेंभारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है,यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है।बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैंयह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

आज, तेज़ी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है,अबयह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगोंका सम्मान करती हैऔर देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फ़ैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

लेखक केन्द्रीय वस्त्र मंत्री हैं

सू- दोकू क्र.51

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.50का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

एसआईआर पर इतना बबेला क्यों?

अजय दीक्षित

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के लिए एस आई आर (विशेष सघन पुनरीक्षण) पर आपत्ति जताई है और बिहार में राजद ने एन विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने जो अभियान चलाया है उस पर तेजस्वी यादव ने गहन आपत्ति की है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बिहार में 65 लाख मतदाता फर्जी पाए हैं जिनके नाम विभिन्न विधानसभा सीटों से काट दिए गए हैं।एक विधानसभा सभा क्षेत्र से औसत 3200 वोट काटे गए हैंइन में चुनाव आयोग ने कहा है कि स्ट्रक सभी राज्यों में होगा।

दरअसल भारत में जब से या आजादी के बाद से कभी इंटीग्रेटेड मतदाता सूची बनी ही नहीं थी न ही बन सकती थी क्योंकि न तो तब आधार कार्ड, वोटर आईडी,था । अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी और यह मैनुअल थी ।चुनाव आयोग से जुड़े लोग मतदाता सूचियों को रिवाइज्ड करते रहते थे। लेकिन अब चुनाव आयोग के पास नए सॉफ्टवेयर हैं जो नाम डालते ही बता देते हैं कि ये नाम किन किन स्थानों पर दर्ज है। और उसे मतदाता की पसंद के साथ अन्य सभी स्थानों से अलग कर देता है।अब चुकी सरकार के सभी कार्यों का विरोध करना है और मुद्दे चाहिए तो पहले ही चोर चोर चिल्ला देते हैं। राहुल गांधी भी इसे बोट की चोरी बता रहे हैं। ऊपर से मल्लिकार्जुन खड़गे, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, रेवंत रेड्डी, संजय रावत हां में हां मिला देते हैं। ज्ञातव्य हो कि असम, पश्चिमी बंगाल,बिहार,केरल,में 2026 तक विधानसभा चुनाव होने हैं

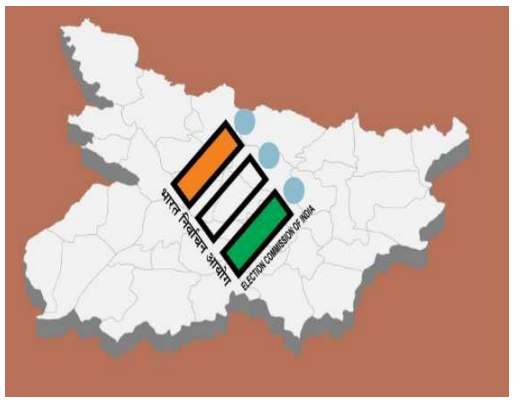

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए बिहार और असम में सत्ता में है ।जबकि पश्चिमी बंगाल में तुड़मूल कांग्रेस,केरल में वामपंथी दल सरकार चला रहे हैं। जिसमें से इस बार बिहार में राजद, कांग्रेस महागठबंधन पूरा जोर लगा रहा है यद्यपि प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बताते हैं कि कुछ गणित बिगाड़ने की स्थिति में है। इसलिए स्ट्रक का विरोध हो रहा है। असम, पश्चिमी बंगाल,में वास्तव में बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी संख्या में हैं और इतने हैं कि चुनावों के परिणामों को प्रभावित कर देते हैं उनमें से नब्बे फीसदी मुस्लिम है जो भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकीकृत हो कर मतदान करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी जब से 2014 से लोकसभा में बहुमत के साथ आई है तब से अब तक उसका अन्य पार्टियों या विपक्ष में बौखलाहट चरम सीमा पर है। केंद्रीय सरकार और विपक्ष में तालमेल तो छोड़ो लोकतांत्रिक व्यवस्था का रिश्ता भी जाता रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अब किसी भी कीमत पर बदलाव चाहते हैं चाहे वह अराजक कदम ही क्यों न उठाना पड़ेंयहां तक कि चुनाव का बहिष्कार भी हो सकता है जो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अप्रिय कदम होगा । ममता बनर्जी भी तूफान के पहले की शान्ति में हैं। जिसमें विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तो कतई झेलने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि कांग्रेस ऐसा मानती है कि जब तक नरेंद्र मोदी सरकार है तब तक विपक्ष का कोई चांस न तो दिल्ली में है न राज्यों में।अब विपक्ष की राज्यों कर्नाटक, पश्चिमी बंगाल,केरल, हिमाचल, तेलंगाना प्रदेश में ही सरकार है और इन राज्यों से क्रमशः 28,42,20,4,14,कुल 94 सांसद चुनकर आते हैं जिसमें भी केरल को छोड़कर सभी राज्यों भारतीय जनता पार्टी के सांसद अधिक है।

स्कूटी रपटने से बीडीसी सदस्य के पति की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क हादसे में स्कूटी रपटने से हाल में ही जीती बीडीसी सदस्य के पति गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी है।

जानकारी के अनुसार गौलापार के दौलतपुर निवासी मृतक 57 वर्षीय दीवान सिंह की पत्नी गंगा बिष्ट हाल में हुए पंचायत चुनाव में बड़े अंतर से बीडीसी मेंबर का चुनाव जीती थी। पति दीवान सिंह चुनाव में दिए सहयोग के लिए ग्रामीणों का आभार व्यक्त कर रहा था। परिवार वालों के अनुसार बीते दिन दीवान सिंह अपनी ई-स्कूटी से अपने पंचायत क्षेत्र में घूम रहा था। बताया जा रहा है कि बीती सायं जैसे ही वे लोगों से मुलाकात करने के बाद सब्जी खरीदने बाजार जा रहा था। इस बीच किसी बच्चे को बचाने के चक्कर में स्कूटी रपट गई और जिससे दीवान सिंह के सिर पर गंभीर चोटें आ गई। इसके बाद गंभीर हालत में दीवान सिंह को उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

एसएसपी की अध्यक्षता में जनपद पुलिस मुख्यालय में बैठक आयोजित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल की अध्यक्षता में आज जनपद पुलिस मुख्यालय में गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग में चल रहे पोर्टलों (सीएम हेल्प लाइन, सीसीटीएनएस पोर्टल आदि) पर प्राप्त शिकायतों, आवेदनों व निराकरण की समीक्षा की गई। एसएसपी द्वारा पोर्टलों में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने व जांचों को समय से पूर्ण करने व अनावश्यक मामलों को लंबित न रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। एसएसपी द्वारा समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जो भी सूचना/ जांच आख्या समय पर जानी है उसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होने कहा कि अधीनस्थों के कार्यों की समय-समय पर साप्ताहिक समीक्षा की जाए

पर्वतीय गांधी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददात

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने पर्वतीय गांधी स्वर्गीय इन्द्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने राज्य प्राप्ति आंदोलन के अग्रणी रहे पर्वतीय गांधी स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी घंटाघर स्थित मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर वरिष्ठ राज्य प्राप्त आंदोलनकारी प्रभात डंडरियल और आरिफ वारसी ने बताया कि नेताजी संघर्ष समिति के सदस्यों ने स्वर्गीय बडोनी के नेतृत्व में ही राज्य प्राप्ति आंदोलन में अपनी भागीदारी निभाई थी। उन्होंने कहा कि बडोनी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि यह राज्य का चहुमुखी विकास हो और राजधानी गैरसेण बने। बडोनी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियल, पारस यादव, अतुल शर्मा, विनोद अग्रवाल, विजेंद्र रावत, आदि उपस्थित रहे।

चिकित्सा महानिदेशक ने किया..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

आपातकालीन अनुभाग में सभी अधिकारी व कर्मचारी नियमित वेश-भूषा में उपस्थित पाये गये व आपातकालीन कक्ष में ब्लीचिंग घोल नियमानुसार उपलब्ध रहने के निर्देश दिये गये तथा चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था, बायोमेडिकल वेस्ट व अन्य सुविधाये सही पाये जाने व आईपीडी / ओपीडी / शैय्याओं की संख्या में वृद्धि होने पर प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय देहरादून की सराहना की गयी। महानिदेशक द्वारा प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय देहरादून को निर्देश दिये गये कि वे अधीनस्थ समस्त आकस्मिक चिकित्सा अधिकारियो को निर्देश पारित करे कि वे चिकित्सालय में उपचार हेतु आने वाले कार्डियक रोगियो को मेडिट्रिना हॉस्पिटल में बिना विलम्ब किये हुए नियमानुसार संदर्भित करे। महानिदेशक द्वारा मल्टी स्टोरी पार्किंग का भी निरीक्षण करते हुए सन्तोष व्यक्त किया गया तथा प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय देहरादून द्वारा महानिदेशक को मल्टी स्टोरी पार्किंग को अधिक वाहनो की पार्किंग हेतु बढाये जाने के लिये प्रयास किये जा रहे है। महानिदेशक द्वारा निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय देहरादून में कार्यरत समस्त चिकित्सा अधिकारियो/ नर्सिंग अधिकारियों व अन्य कार्मिको को रोगियो व उनके तीमारदारो के साथ सौहादर्यपूर्ण / मृदुल व्यवहार किये जाने के निर्देश दिये गये।

ऑपरेशन कालनेमिः फर्जी तांत्रिक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। ऑपरेशन कालनेमि के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक फर्जी तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। जिस पर झाड़ फूंक और इलाज के नाम पर ठगने तथा दो मासूम युवतियों से छेड़छाड़ का आरोप है।

जानकारी के अनुसार आज बाजपुर पुलिस ने झाड़-फूंक और इलाज के नाम पर मासूम लोगों को ठगने और युवतियों के साथ छेड़छाड़ एवं शोषण करने वाले एक बेहद शातिर तांत्रिक को दोराहा चौक से 200 मीटर आगे रामपुर रोड पर गिरफ्तार किया है।

मामला बाजपुर के चौकी दोराहा इलाके का है, जहां एक महिला की दो बेटियां, लंबे समय से बीमार थीं। कई डॉक्टरों से इलाज कराने के बावजूद जब उनकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ, तो पूरा परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से टूट चुका था। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर, एक परिचित ने उन्हें कनौरा गांव में रहने वाले महमूद नाम के एक व्यक्ति के बारे में बताया, जो खुद को सिद्ध तांत्रिक और चमत्कारी बाबा बताता था। पुलिस जांच में पता चला कि महमूद अपने नाम का इस्तेमाल नहीं करता था। वह खुद को एक हिंदू नाम से पेश करता था ताकि लोगों को उस पर आसानी से विश्वास हो जाए। वह जानता

❑झाड़-फूंक और इलाज के नाम पर ठगने व छेड़छाड़ का है आरोप

था कि भारत में धार्मिक आस्था का महत्व कितना अधिक है, इसलिए वह इसी विश्वास का फायदा उठाता था। वह विशेष रूप से उन परिवारों को निशाना बनाता था जो किसी बीमारी, गरीबी या पारिवारिक समस्या से जूझ रहे होते थे। जांच में पता चला है कि महमूद सिर्फ झाड़-फूंक का ढोंग नहीं करता था, बल्कि वह सम्मोहन शक्ति का उपयोग भी करता था। वह पीड़ितों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाता था, जिससे वे उसकी बातों में आ जाते थे और उसकी हर आज्ञा का पालन करने लगते थे। महमूद एक जगह पर ज्यादा दिन नहीं ठहरता था। वह अलग-अलग इलाकों और जिलों में घूम-घूमकर नए शिकार की तलाश करता था। इस तरह वह पुलिस की नजरों से बचता था और अपने नेटवर्क को भी फैलाता रहता था। जब पीड़िताओं को तांत्रिक महमूद के पास ले जाया गया, तो उसने उन्हें अलग-अलग कमरों में बुलाया। उसने यह दावा किया कि वह उनकी बीमारी को छूकर ठीक कर देगा। इसी बहाने उसने दोनों बहनों के साथ अभद्र हरकतें कीं। दोनों लड़कियों ने घबराकर अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, इस तांत्रिक का नेटवर्क केवल उत्तराखंड तक ही सीमित नहीं था, बल्कि उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे पीलीभीत, बरेली और मुरादाबाद में भी फैला हुआ था। पुलिस अब इन जगहों पर भी जांच कर रही है ताकि उसके अन्य पीड़ितों का पता लगाया जा सके।

जिलाधिकारी ने श्रीनगर बेस अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने आज श्रीनगर स्थित बेस अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न इकाइयों जैसे आपातकालीन कक्ष, ओपीडी पंजीकरण काउंटर, अल्ट्रासाउंड कक्ष, एक्स-रे व एमआरआई सेक्शन, महिला एवं प्रसूति वार्ड, बाल वार्ड, शल्य चिकित्सा वार्ड, दवा वितरण केंद्र तथा पैथोलॉजी लैब का बारीकी से निरीक्षण किया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों व तीमारदारों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और चिकित्सकों व स्टाफ को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने जीवन रक्षक दवाओं का ब्योरा चेक किया तथा दवाइयों की उपलब्धता, उपचार की समय-सीमा और मशीनों के नियमित परीक्षण की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज को दवा या उपचार के अभाव में परेशानी नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी वार्डों में स्वच्छता और साफ-सफाई सर्वोच्च स्तर पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रेन बसेरे की व्यवस्था सुधारने और तीमारदारों के ठहरने की समस्या पर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही शव वाहन (डेड बॉडी वेन) की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया, ताकि आकस्मिक परिस्थितियों में परिजनों को दिक्कत न हो। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने फरासू क्षेत्र का भी दौरा किया। उन्होंने मौके पर स्थिति का जायजा लेकर अधिकारियों को सुरक्षा की दृष्टि से त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए और एसडीएम को विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नुपुर वर्मा, डॉ. अजेय विक्रम सिंह, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. मोहित कुमार, अनिल उनियाल सहित अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहे।

मोबाइल लूट में एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल लूट करने वाले को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्लेमेंट टाउन पर वादी श्री जितेन्द्र पुत्र विश्वास सिंह निवासी नया गाँव सेवला खुर्द थाना पटेलनगर देहरादून ने एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि पिपलेश्वर मंदिर से मोहबेवाला की ओर जाते समय पीछे से एक व्यक्ति उनके हाथ से मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना के खुलासे तथा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का बारीकी से जांच करते हुए संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गयी। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा घटनाओं में प्रकाश में आये आरोपी की वर्तमान स्थिती की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप घटना में शामिल आकाश को पिपलेश्वर मंदिर के पास से घटना में छीने गये मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह नशे का आदी है तथा अपनी नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उसके द्वारा उक्त मोबाइल स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। वह उक्त मोबाइल को बेचने की फिराक में था परंतु पुलिस की सख्ती के कारण किसी भी व्यक्ति द्वारा बिना बिल के मोबाइल फोन नहीं खरीदने पर वह अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

राजू को मिला नया जीवन, डीएम स्वयं कर रहे थे मॉनीटरिंग

कार्यालय संवादाता

देहरादून। जिला प्रशासन के सहयोग से हेल्पिंग हेंड चिकित्सालय में असहाय व्यथित राजू का सफल उपचार कर लिया है राजू अब पूरी तरह से स्वस्थ है तथा उनकी ड्रेसिंग चल रही है। जिलाधिकारी सविंन बसंल के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम प्रतिदिन निरंतर राजू का हालचाल जानने चिकित्सालय जाती है तथा डीएम स्वयं राजू के उपचार की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला प्रशासन की टीम चिकित्सालय के सम्पर्क में बनी रही । जिलाधिकारी ने चिकित्सालय प्रबन्धन का राजू के उपचार में सहयोग हेतु अभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन तथा हेल्पिंग हेंड चिकित्सालय के सहयोग से राजू के उपचार सम्भव हो पाया। जिला प्रशासन राजू के पुनर्वास की भी तैयारी कर रहा है इसके लिए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

विगत माह कलेक्ट्रेट परिसर में असहाय राजू पंहुचा जिसका एक हाथ बुरी तरह से जला हुआ था। राजू ने जिलाधिकारी को अपनी पीड़ा सुनाते हुए बताया कि वह होटल में मजदूरी कराता

❑डीएम ने हेल्पिंग हैंड चिकित्सालय व टीम का जताया आभार

है तथा चमोली में उसका गर्म पानी से जल गया, दून अस्पताल ने हायर सेंटर को रेफर कर दिया है, उसके पास उपचार के लिए पैसे नही है। जिस पर जिलाधिकारी संविन बसंल ने बर्न स्पेशलिस्ट निजी चिकित्सालय से दूरभाष पर वार्ता करते हुए राजू के उपचार का अनुरोध किया जिस हेल्पिंग हेंड हॉस्पिटल के डॉ कुश ने राजू को तत्काल हास्पिटल भेजने को कहा। जिला प्रशासन ने सारथी वाहन से राजू को चिकित्सालय में भर्ती कराया।

दरअसल असहनीय पीड़ा से छटपटाते हुए अचानक राजू नाम का एक व्यक्ति डीएम दफ्तर पहुंचा। कहा ''साहिब मेरा नाम राजू है। मेरे कोई भी अपना नही है, लावारिस हूँ। गढ़वाल से आया हूँ। मेरे हाथ पर गरम पानी गिरने से हाथ जल गया है। इलाज की जरूरत है। बहुत दर्द हो रहा है। अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं सुन रहा, बहुत परेशान हूँ, हाथ की सर्जरी होनी है। पैसा नही है, मदद करो। अपने रुंधे कंठ से ये कहते कहते राजू की आंखें दर्द के आंसुओं से छलक उठी।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने पूरी संवेदना के साथ असहाय, अनाथ राजू की मार्मिक व्यथा सुनी। राजू के बूरी तरह जले हाथ के असीमित और असहनीय पीड़ा को महसूस किया और बिना समय गंवाये राजू के उपचार हेतु फोन पर चिकित्सकों से परामर्श किया। दून अस्पताल ने राजू के हाथ की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर करने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने सहस्रधारा आईटी पार्क स्थित एक निजी अस्पताल में स्पेशलिस्ट चिकित्सक डॉ कुश से वार्ता की और राजू को तत्काल प्रशासन के सारथी वाहन से चिकित्सक के पास पहुंचाया। जहां अब राजू के जले हाथ का मुफ्त इलाज करवाया।

गंगा की स्वच्छता पर कोई समझौता नहीं: भदौरिया

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने गंगा नदी की स्वच्छता को लेकर सख्ती बरतते हुए स्पष्ट कहा है कि गंगा किनारे कूड़ा फेंकना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाल ही में गंगा में कूड़ा फेंकते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को दोषी व्यक्ति पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंगा और अन्य नदी किनारों पर कूड़ा फेंकने की अनुमति नहीं है, और नियम तोड़ने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जो लोग अपने घर या प्रतिष्ठान का कूड़ा अलग-अलग श्रेणियों में नहीं देंगे, उनका यूजर चार्ज दुगना किया जाए। उन्होंने साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न करने की बात कही। इसी के क्रम में पूर्व में जिस स्थान पर कूड़े के ढेर थे, वहां पर जिलाधिकारी ने "वेस्ट टू वंडर पार्क" बनाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने पार्क में पार्किंग की उचित व्यवस्था करने, इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने तथा आर्टिफिशियल घास लगाने के निर्देश दिए, ताकि पार्क आकर्षक और सुव्यवस्थित रूप से विकसित हो सके।

वन्य संरक्षित प्रजाति के पक्षी का किया रेस्क्यू

संवाददाता

देहरादून। पशु प्रेमी रोशन राणा ने वन्य संरक्षित प्रजाति के पक्षी का रेस्क्यू कर वन रक्षक टीम को सौंपा।

आज यहां समाजसेवी एवं पशु प्रेमी रोशन राणा ने बताया की उनके मित्र विशाल खेड़ा ने फोन करके बताया की उनकी दुकान के पास एक सफेद रंग का उल्लू घायल अवस्था में पड़ा है जो कि एक संरक्षित प्रजाति का पक्षी है तो रोशन राणा ने तुरंत वन विभाग से संपर्क किया और उसे रेस्क्यू कर वन रक्षक टीम के अरशद खान को सौंप दिया। जिसे डियर पार्क में इलाज हेतु भेज दिया गया है। जो कि आज एक जागरूक नागरिक विशाल खेड़ा की वजह से एक बहुमूल्य संरक्षित जीव को जीवन दान मिला है।

चुनावी रंजिश को लेकर चली गोली, एक की मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। चुनावी रंजिश को लेकर गोली चलने से जहां एक युवक की मौत हो गयी है। वहीं क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनते देख प्रशासन ने क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार रूद्रपुर से सटे तरूणपुर गांव में बीते दिनों भाजपा समर्थित गफ्फार खान की पत्नी ग्राम प्रधान का चुनाव जीत चुकी है।

बताया जा रहा है कि इसके बाद हारे हुए प्रत्याशी के समर्थकों द्वारा लगातार गफ्फार खान को धमकियां दी जा रही थी। जिसकी सूचना सूचना गफ्फार खान द्वारा स्थानीय पुलिस को भी दी गयी थी। चर्चा है कि पुलिस ने सूचना के बाद भी

मामले में कोई कार्यवाही नही की गयी। जिससे विपक्षियों के हौंसले बुलन्द हो गये और उन्होने आज घर में घुसकर गफ्फार खान के भतीजे आलिभ को गोली मार दी गयी।

घटना के बाद आलिभ को परिजनों द्वारा अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दिया गया। वहीं घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

धराली आपदा रेस्क्यू : हर्षिल से तीन किमी आगे मिला एक शव

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। धराली आपदा के बाद चलाये जा रहे रेस्क्यू अभियान के दौरान हर्षिल से करीब तीन किमी आगे एक शव बरामद किया गया है जिसको सेना का जवान बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आज चलाये गये रेस्क्यू अभियान के दौरान हर्षिल से करीब तीन किमी आगे एक शव मिला है। शव सेना के जवान का बताया जा रहा है। आपदा के करीब 14 दिन बाद झाला के पास नदी में शव मिला। अब तक धराली हर्षिल आपदा में दो शव मिले हैं। बता दें कि बीते पांच अगस्त को पानी के साथ बह कर आए मलबे में आठ से दस फीट नीचे तक होटल

❑मृतक बताया जा रहा है सेना का जवान

और लोग दबे हुए हैं। इसकी जानकारी एनडीआरएफ की ओर से प्रयोग की गई ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) के माध्यम से मिली है। इसके प्रयोग से मिलने वाले तत्वों के आधार पर ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ धराली में मलबे के ऊपर खुदाई कर रही है। एनडीआरएफ की ओर से धराली में मलबे में दबे लोगों को ढूंढने के लिए ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार का प्रयोग किया जा रहा है। इससे इलेक्ट्रिकल डिटेक्टर वेब किसी मलबे में करीब 40 मीटर नीचे तक दबे किसी भी तत्व की जानकारी बताता है। एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट आरएस धपोला ने बताया कि इसकी मदद से जो तस्वीरें सामने आई हैं, उससे यह जानकारी मिली है कि धराली में आपदा प्रभावित क्षेत्र में करीब आठ से 10 फीट नीचे होटल और लोग दबे हुए हैं। कुछ स्थानों पर जीपीआर से मिले संकेतों पर खुदाई की जा रही है।कुछ दिन पहले दो खच्चरों और एक गाय के शव भी मिले थे। आपदा प्रभावित क्षेत्र को चार सेक्टर में बांट कर मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है। इसमें दो सेक्टर में एनडीआरएफ और दो में एसडीआरएफ की ओर से कार्य किया जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।